अमेरिका के जार्जिया विश्वविद्यालय से हुआ पंतनगर का अनुबंध

पंतनगर। 5 नवम्बर, 2009। अमेरिका के जार्जिया विश्वविद्यालय की एक टीम ने आज विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया तथा कुलपति के सभाकक्ष में पंतनगर विश्वविद्यालय के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किये। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने की। जार्जिया विश्वविद्यालय की 5–सदस्यीय टीम का नेतृत्व डा. ग्लेन एम्स, निदेशक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, ने किया। टीम के अन्य सदस्य डा. डेन मैक्लीन, डा. के.सी. दास, डा. राकेश सिंह एवं डा. ब्रह्म वर्मा थे।

डा. बिष्ट की उपस्थिति में पंत विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. के.के. सिंह एवं जार्जिया विश्वविद्यालय के डा. ग्लेन एम्स द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गये। अनुबंध के अनुसार दोनों विश्वविद्यालय विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान करेंगे, शोध के क्षेत्र में सहयोग करेंगे तथा मिलकर संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन करेंगे। यह अनुबंध 5 वर्षों के लिए लागू रहेगा तथा इसे आगे 5 वर्ष के लिए और बढ़ाया जा सकेगा।

कुलपति डा. बिष्ट ने विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि यह विश्वविद्यालय अमेरिका के इलिनॉय विश्वविद्यालय के सहयोग से उसकी लैण्ड ग्रांट पद्धति के आधार पर स्थापित किया गया था। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में 10 महाविद्यालय स्थापित हैं जिनमें से अधिकतर आई.एस.ओ. 9001 प्रमाण–पत्र प्राप्त हैं। विश्वविद्यालय का एक वृहद फार्म भी है जिसकी उत्पादकता अनुक्रणीय है। उन्होंने विश्वविद्यालय में चल रहे कृषि एवं सम्बन्धित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में कई विदेशी विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं तथा हम अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के इच्छुक हैं। डा. बिष्ट ने विदेशों में पंतनगर विश्वविद्यालय के परिसर खोले जाने की भावी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जार्जिया विश्वविद्यालय के साथ होने वाले इस अनुबंध से हमें उनके लम्बे अनुभव का लाभ प्राप्त होगा।

डा. ग्लेन एम्स ने भी जार्जिया विश्वविद्यालय के बारे में प्रस्तुतिकरण देते हुए विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 1775 में हुयी। उनके अनुसार जार्जिया विश्वविद्यालय में 16 विद्यालय एवं महाविद्यालय हैं जिनमें लगभग 34000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा 5800 स्नातक हैं। कुल विद्यार्थियों में लगभग 20 प्रतिशत विदेशी विद्यार्थी हैं। टीम के अन्य सदस्यों ने भी अपने व अपने विभागों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर पंत विश्वविद्यालय की ओर से सभी अधिष्ठाताओं एवं जार्जिया विश्वविद्यालय टीम के अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन निदेशक शोध, डा. डी.पी. सिंह ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में डा. टी.के. भट्टाचार्या ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित अनुबंध दिखाते कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट एवं डा. ग्लेन एम्स (मध्य में) टीम के अन्य सदस्यों के साथ